प्रभात खबर
www.prabhatkhabar.com
पटना, शनिवार, 10 दिसंबर, 2011

सरस मेला शुरू, सजी गांव की संस्कृति

पटना के बीएसइबी ग्राउंड में आयोजित सरस मेले के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार.

संवाददाता ■ पटना

अगर आपको शहर में रह कर गांव की संस्कृति जानना हो, तो सरस मेले में जाइए. शास्त्री नगर के बोर्ड कॉलोनी मैदान में लगे इस मेले को इस तरह से सजाया जा रहा है कि लोग गांव को करीब से देख सकते हैं. इसका उद्घाटन शुक्रवार को हुआ. स्टॉलों को सजाने की तैयारी अंतिम चरण में है. मेले में प्रवेश के लिए शुल्क नहीं लगेगा. लोग सुबह 10 बजे से रात के नौ बजे तक इसका आनंद उठा सकते हैं. यहां खाने-पीने के लिए अलग स्टॉल हैं.

15 राज्यों के लगे स्टॉल

मेले में 15 राज्यों के स्वयं सहायता समूहों ने अलग-अलग स्टॉल लगाये हैं. वे अपने राज्य के उत्पादों को लोगों तक पहुंचा रहे हैं. इसके अलावा पटना व अन्य सभी जिलों के भी स्टॉल लगे हैं, जहां लोगों को हाथ से बने विभिन्न उत्पाद आकर्षित कर रहे हैं. यहां कुल 160 स्टॉल हैं. खाने-पीने के स्टॉल पर मटन-चूड़ा, लिट्टी-चोखा, लीची का जूस व लिट्टी-मुरगा भी लोगों को खूब भा रहा है. सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए. लोकगायक अमर आनंद ने जय-जय भैरवी गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की. इसके बाद उन्होंने 'जग में जहवां पहिरे उगे किरिनिया...', ठुमका में झुमका, सावन के बदरा में बरसे बदरिया... जैसे लोकगीत गाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया. तबले पर इनका साथ शिवजी सिंह, नाल पर अर्जुन चौधरी व विनोद कुमार ने दिया. मंच का संचालन रवि रंजन ने किया.

विशेष उत्पाद

मध्यप्रदेश : लेदर खिलौना
आंध्रप्रदेश : हैंडलूम
ओड़िशा : एपलिक
हरियाणा : चमड़े व कांच से बने उत्पाद
छत्तीसगढ़ : कोसा साड़ी
उत्तरप्रदेश : दरी
केरल : पंचालोहम जेवर
मध्यप्रदेश : जूट से बने उत्पाद
राजस्थान : चमड़े के सामान

मेले में आज

लोकगीत : कविता चौधरी
लोकनृत्य : राजीव कुमार तिवारी.